

लघुपक्षवाद का उदय

प्रलम्बित के लिये:

[हृदय-प्रशांत](#), [सक्वाड](#), [वशिव व्यापार संगठन \(WTO\)](#) फोरम-शाॅपिंग, [ट्रांस-पैसफिक पारटनरशपि \(TPP\)](#) क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी ([Regional Comprehensive Economic Partnership- RCEP](#)) [चतुरभुज सुरक्षा वार्ता \(Quad\)](#) [चतुरभुज सुरक्षा वार्ता \(Quad\)](#) त्रिपक्षीय सहयोग और नगिरानी समूह (Trilateral Cooperation and Oversight Group- TCOG)

मेन्स के लिये:

[चीनी आक्रामकता](#), [हृदय-प्रशांत](#), [वशिव व्यापार संगठन \(WTO\)](#), [चतुरभुज सुरक्षा वार्ता \(Quad\)](#), [बहुपक्षवाद](#), [वैश्विक व्यवस्था](#), लघुपक्षवाद का महत्त्व और चुनौतियाँ

स्रोत: ORF

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [हृदय-प्रशांत](#) क्षेत्र में [चीनी आक्रामकता](#) के बढ़ने से [सक्वाड](#) के गठन को बढ़ावा मिला है, जो “लघुपक्षवाद” (मनिलैटरलिज्म) के बढ़ते महत्त्व को उजागर करता है।

- सक्वाड एक [बहुपक्षीय समूह](#) है जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस जैसे देश शामिल हैं।

लघुपक्षवाद क्या है?

परिचय:

- लघुपक्षता (मनिलैटरलिज्म) से तात्पर्य [अनौपचारिक और अधिक लक्ष्य पहल से है](#), जिसका उद्देश्य [वशिष्ट खतरों](#), आक्रामकताओं या सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करना होता है तथा केवल कुछ देश ही (आमतौर पर तीन या चार) इसे सीमांत अवधि के भीतर हल करने में समान रुचिरिखते हैं।
- ये व्यवस्थाएँ स्थायी या औपचारिक संस्थागत संरचना के बिना व्यापक समावेशिता के बजाय [वशिष्ट उद्देश्य](#) पर केंद्रित होती हैं।
- लघुपक्षता के अंतर्गत [परिणाम](#) एवं प्रतबिद्धताएँ [गैर-बाध्यकारी और स्वैच्छिक](#) होती हैं, जो इसमें भाग लेने वाले राज्यों की इच्छा पर निर्भर करती हैं।

मनिलैटरल गुरुपिंग टाइप	हाल ही में सुरक्षियों में आए संस्थानों के उदाहरण
भागीदारी आधारित बहुपक्षता	सक्वाड; ऑस्ट्रेलिया-UK-US त्रिपक्षीय सुरक्षा तंत्र (AUKUS); ट्रांस-पैसफिक पारटनरशपि के लिये व्यापक और प्रगतशील समझौता (CPTPP); भारत-जापान-ऑस्ट्रेलिया त्रिपक्षीय समझौता; भारत-इज़राइल-यूई-यूएस तंत्र (I2U2)
सगल-पावर एलईडी मनिलैटरल्स	बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवि (BRI); लंकांग-मेकांग सहयोग (LMC); मेकांग-यूएस भागीदारी (MUSP)
सेक्टरल बहुपक्षता	डिजिटल अर्थव्यवस्था साझेदारी समझौता (DEPA); बुरुनेई-इंडोनेशिया-मलेशिया-फिलीपींस पूरवी आसियान विकास क्षेत्र

	(BIMP-EAGA)
मुद्रा-आधारित बहुपक्षता	जस्ट एनर्जी ट्रांजिशन पार्टनरशिप (JETP); मलक्का स्ट्रेट्स पेट्रोलस (MSP); जापान-यूके-इटली ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम (GCAP)

■ लघुपक्षवाद के उदय के कारण:

- विकासशील वैश्विक व्यवस्था और खतरों की बदलती प्रकृति ने स्थानीय संघर्षों एवं मुद्दों के समाधान में बहुपक्षीय ढाँचे की नरिंतर प्रासंगिकता के लिये लगातार चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं।
- अमेरिकी वैश्विक नेतृत्व में असंगति और बहुध्रुवीय विश्व के उदय के साथ-साथ अमेरिका तथा चीन के मध्य भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता ने बहुपक्षीय संगठनों में मतभेद को प्रकट कर दिया है
 - उदाहरण के लिये, [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद](#) की स्थायी सदस्यता पूर्व की शक्ति संरचना और अप्रभाविता को दर्शाती है।
- [विश्व व्यापार संगठन \(World Trade Organization- WTO\)](#) जैसी वैश्विक संस्थाओं को बहुपक्षीय सदस्यता और परस्पर वरिधी प्राथमिकताओं के कारण [जटिल मुद्दों पर आम सहमति बनाने में संघर्ष](#) करना पड़ा है।
- [वैश्विक समस्याओं में क्षेत्रीय विधिधाराएँ](#) हो सकती हैं। लघुपक्षीय संगठन किसी विशेष चुनौती का सामना कर रहे छोटे समूहों की जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार कर सकते हैं।
- [सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी](#) के सुधार से लघुपक्षवाद का विकास सरल हो गया है।
 - अनौपचारिक संचार वधियों ने राज्यों के लिये [लचीले और लक्ष्य सहयोग में संलग्न होना सरल बना दिया है, जिससे लघुपक्षवाद के विकास को समर्थन मिला है।](#)
- [कोविड-19](#) महामारी के प्रभाव ने [रणनीतिक](#) और लक्ष्य सहयोग लघुपक्षवाद के उदय को बढ़ावा दिया है, जो [आपूर्ति शृंखला लचीलापन](#) सहित विभिन्न मुद्दों पर केंद्रित हैं।
 - उदाहरण के लिये, भारत ने [कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिये दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन \(South Asian Association for Regional Cooperation- SAARC\)](#) के सदस्य देशों की सहायता के लिये एक इलेक्ट्रॉनिक मंच स्थापित किया।

■ बहुपक्षवाद के साथ तुलना:

- बहुपक्षवाद में [तीन या अधिक राज्यों द्वारा](#) क्षेत्रीय या अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के साझा दृष्टिकोण के लिये नियमों और मानदंडों के [संस्थागतकरण और अनुपालन](#) के माध्यम से विश्वास का निर्माण करने तथा संघर्ष से बचने का [औपचारिक प्रयास](#) शामिल होता है।
- [विश्व व्यापार संगठन \(World Trade Organization- WTO\)](#) जैसे बहुपक्षीय ढाँचे, लघुपक्षवाद की अधिक केंद्रित और लचीली प्रकृति के विपरीत, [व्यापक और समावेशी भागीदारी](#) पर जोर देते हैं।

■ क्षेत्रीय संगठनों के साथ तुलना:

- [लघुपक्षवाद \(Minilateralism\)](#) तात्कालिक, [विशिष्ट मुद्दों](#) पर ध्यान केंद्रित करता है तथा [लचीले, तदर्थ गठबंधन](#) बनाता है, जैसे [काह्दी-प्रशांत सुरक्षा और आर्थिक चर्चाओं के लिये क्वाड \(Quad\)](#)।
- [क्षेत्रीय संगठन, युरोपीय संघ \(European Union-EU\)](#) जैसे संरचित और औपचारिक सहयोग के माध्यम से [आर्थिक एकीकरण एवं सुरक्षा](#) सहित [व्यापक मुद्दों](#) को संबोधित करते हैं।

स्कवाड (Squad) और क्वाड (QUAD):

■ 'स्कवाड' का गठन और भूमिका:

- यह गठन विशेष रूप से [चीनी और फिलिपीनी सेनाओं के बीच भौतिक टकराव](#) को देखते हुए महत्त्वपूर्ण है, जिससे तनाव बढ़ गया है तथा फिलिपींस द्वारा [आनुपातिक जवाबी कार्रवाई](#) की मांग की गई है।
- [फिलिपींस की समुद्री सुरक्षा](#) को बढ़ाने के लिये, [अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलिपींस](#) के रक्षा मंत्रियों ने समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिये हवाई में बैठक की। इस नए समूह को [अनौपचारिक रूप से 'स्कवाड'](#) नाम दिया गया है।
- इसका उद्देश्य [दक्षिण चीन सागर \(South China Sea- SCS\)](#) में चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिये [सहयोगात्मक प्रयासों](#) को मज़बूत करना है।
 - यह गठन विशेष रूप से [चीनी और फिलिपीनी सेनाओं के बीच भौतिक टकराव](#) को देखते हुए महत्त्वपूर्ण है, जिससे तनाव बढ़ गया है तथा फिलिपींस द्वारा [आनुपातिक जवाबी कार्रवाई](#) की मांग की गई है।
- [क्वाड के साथ तुलना:](#)
 - अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत से मलिकर बने [क्वाड](#) का उद्देश्य [व्यापक रूप से एक सुरक्षित एवं स्थिर हिंदी-प्रशांत क्षेत्र](#) सुनिश्चित करना है, जबकि 'स्कवाड' विशेष रूप से [दक्षिण चीन सागर में सुरक्षा गतिशीलता](#) को संबोधित करता है।

लघुपक्षता के क्या लाभ हैं?

- लघुपक्षता साझा हितों और मूल्यों के अनुसार कार्य करने वाले देशों के **स्थिर ढाँचे को दरकिनार** करने तथा आम चर्चा के मुद्दों को हल करने की अनुमति देती है। उदाहरण के लिये, दक्षिण एशिया के कुछ देशों के मध्य **बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (BBIN) मोटर वाहन समझौते (MVA)** की परिकल्पना की गई थी, यहाँ तक कि **SAARC भी इसी तरह की पहल करने में वफिल रहा**।
- लघुपक्षता अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिये एक **समुत्थानशील और मॉड्यूलर दृष्टिकोण** प्रदान करती है। इन्हें **वशिष्ट मुद्दों** को संबोधित करने के लिये **शीघ्रता से नरिमति किया** जा सकता है और ये बहुपक्षीय ढाँचे की व्यापक औपचारिकताओं पर आधारित नहीं होते हैं।
 - यह समुत्थानशीलता **ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (Trans-Pacific Partnership- TPP)** और **क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (Regional Comprehensive Economic Partnership- RCEP)** जैसे व्यापार समझौतों में स्पष्ट है, जो लघुपक्षीय समझौतों के रूप में संपन्न हुए थे।
- लघुपक्षता की **स्वैच्छक** और **गैर-बाध्यकारी प्रकृति**, देशों को त्वरित नरिणय लेने तथा बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में सहायता करती है।
- लघुपक्षता विशेष रूप से **हृदि-प्रशांत जैसे क्षेत्रों में मुद्दा-वशिष्ट साझेदारी** और **रणनीतिक गठबंधन** के नरिमाण में सहायक है।
 - उदाहरणों के लिये इसमें **चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (Quad)** और **त्रिपक्षीय सहयोग एवं नरिक्षण समूह (Trilateral Cooperation and Oversight Group- TCOG)** शामिल हैं, जो बड़े, अधिक औपचारिक संगठनों की तुलना में क्षेत्रीय सुरक्षा चर्चाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित करते हैं।
- **आपदाओं की स्थिति में, क्षेत्रीय लघुपक्षीय मंच प्रभावित देशों की सहायता के लिये तुरंत आगे आ सकते हैं।**
 - उदाहरण के लिये, **भारत ने मशिन सागर पहल** के तहत कोविड-19 महामारी से नपिटने के लिये **दक्षिणी-हृदि महासागर के देशों में खाद्य सामग्री और चकितिसा सहायता दल** पहुँचाने के लिये **भारतीय नौसेना जहाज (Indian Naval Ship- INS) 'केसरी'** को भेजा।

लघुपक्षवाद से संबंधित मुद्दे क्या हैं?

- लघुपक्षता से **फोरम शॉपिंग** को बढ़ावा मलि सकता है, **महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संगठनों** की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँच सकता है तथा वैश्विक शासन में **जवाबदेही कम** हो सकती है।
 - कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं के बजाय स्वैच्छक प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देकर, लघुपक्षीय देश अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और मानकों के **प्रवर्तन को कमजोर** कर सकते हैं।
- लघुपक्षता को प्राथमिकता देने से देशों के लिये **बहुपक्षीय ढाँचे के साथ जुड़ने के प्रोत्साहन कम** हो सकता है।
 - इससे **वशिव स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization- WHO)** तथा **संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (United Nations Children's Fund- UNICEF)** जैसे संगठनों की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता कम हो सकती है, जो अपने कार्यक्रमों के लिये बहुपक्षीय सहयोग पर नरिभर करते हैं।
- लघुपक्षवाद की सफलता सामान्यतः **नेतृत्व, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सदस्यों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर नरिभर करती है।**
 - राजनीतिक नेतृत्व में परिवर्तन या तनावपूर्ण संबंध, लघुपक्षीय पहलों (**Minilateral Initiatives**) को कम या समाप्त कर सकते हैं, जैसा कि **जापान और ऑस्ट्रेलिया में नेतृत्व परिवर्तन के कारण क्वाड की प्रारंभिक वफिलता के दौरान देखा गया था।**
- लघुपक्षीय गठबंधनों का उन देशों पर **नकारात्मक प्रभाव** पड़ सकता है जो **वार्ता/समझौता में भाग नहीं लेते हैं**, जिससे मौजूदा बहुपक्षीय प्रयासों में शामिल होने के लिये उनका प्रोत्साहन कम हो सकता है।
 - यह बात **दोहा व्यापार वार्ता** में देखी गई, जहाँ बहुपक्षीय पहलों पर ध्यान केंद्रित करने से व्यापक बहुपक्षीय प्रगति में बाधा उत्पन्न हुई।

नोट:

फोरम शॉपिंग तब होती है जब लोग वशिष्ट समूहों का चयन करते हैं, जहाँ वे उन स्थानों के अनुकूलनयिमों या वशिष्टताओं के आधार पर अपनी नीतियों का वसितार कर सकते हैं।

आगे की राह

- **बहुपक्षीय एकीकरण:** लघुपक्षवाद को बड़े बहुपक्षीय संगठनों के कार्यों को कमजोर करने के बजाय उनके प्रति पूरक दृष्टिकोण अपनाना चाहिये।
 - उदाहरण के लिये, **जलवायु कार्रवाई** के दौरान लघुपक्षवाद **अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** पर सहयोग की सुवधि प्रदान कर सकता है और अभिनव समाधान वकिसति करने के लिये उप-राष्ट्रीय एवं **गैर-सरकारी संगठनों** को संलग्न कर सकता है।
 - उदाहरण के लिये **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance- ISA)** सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग हेतु एक कार्य-उन्मुख, सदस्य-संचालित, सहयोगात्मक मंच है।
- **दूरदर्शी दृष्टिकोण:** यह समझने के लिये कि लघुपक्षवाद वभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और रणनीतिक परिणामों को किस प्रकार प्रभावित करेगा, **दूरदर्शी दृष्टिकोण आवश्यक है।**
 - लघुपक्षवाद संस्थाओं में **बहुलता और वविधता** सुनिश्चित करने से वभिन्न समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा साझा हितों के मुद्दों का समाधान करने में मदद मलि सकती है।

- उदाहरणतः **क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास** (Security and Growth for All in the Region- SAGAR) के तहत भारत अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ आर्थिक तथा सुरक्षा सहयोग को गहरा करना चाहता है एवं उनकी समुद्री सुरक्षा क्षमताओं के निर्माण में सहायता करना चाहता है।
- **स्पष्ट उद्देश्य:** अपनी प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिये लघुपक्षवाद को ठोस और मापनीय उद्देश्य निर्धारित करने चाहिये।
 - यह दृष्टिकोण कूटनीतिके एक उपकरण के रूप में उनकी भूमिका को बढ़ाएगा और बहुपक्षीय मंचों पर वार्ता को सुव्यवस्थित करने में सहायता करेगा।
 - 'सक्वाड' और इसी तरह के लघुपक्षीय समूहों का उदय हृदि-प्रशांत क्षेत्र में उभरते सुरक्षा परदृश्य के लिये रणनीतिक अनुकूलन को दर्शाता है।

????? ???? ????:

प्रश्न: समकालीन वैश्विक शासन में लघुपक्षवाद की प्रासंगिकता का आकलन कीजिये। इसके लाभ और सीमाओं पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसि समूह के सभी चारों देश G20 के सदस्य हैं? (2020)

- अर्जेंटीना, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूजीलैंड
- ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
- इंडोनेशिया, जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2016)

1. न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना APEC द्वारा की गई है।
2. न्यू डेवलपमेंट बैंक का मुख्यालय शंघाई में है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. 'मोतियों के हार' (द स्ट्रगि ऑफ पर्ल्स) से आप क्या समझते हैं? यह भारत को कसि प्रकार प्रभावित करता है? इसका सामना करने के लिये भारत द्वारा उठाए गए कदमों की संक्षिप्त रूपरेखा दीजिये। (2013)